अतः पशुचिकित्सकों की अविलंब नियुक्ति की जाय, ताकि विभिन्न जिलों में स्थानान्तरण के कारण जो विभिन्न जगहो पर असंतुलन बना है, उसे दूर किया जा सकै। हाल में पूर्ण हुई पशुगणना के अनुसार लगभग सात हजार पशुचिकित्सकों की आवश्कता है, जिसमें लगभग दो हजार ही पद स्वीकृत हैं, जिसमें लगभग बारह सौ पशुचिकित्सक कार्यरत हैं, शेष पद रिक्त है. जिन पशुचिकित्सकों (400 लगभग) का तबादला हुआ, उसके बाद राज्य में लॉकडाउन की प्रक्रिया के कारण पे–स्लिप नहीं बन पायेगा। फलस्वरुप उनका वेतन अवरुद्ध रहेगा। उनके एलपीसी या पुराने पे–स्लिप के आधार पर वेतन भुगतान हेतु आदेश निर्गत किया जाय। कोरोना वैश्विक महामारी के विकराल रुप को देखते हुए स्थिति सामान्य होने तक पशुओं में Ear Tagging कार्यक्रम को स्थिगित करने हेतु पत्रांक 64, दिनांक 14.07.2020 द्वारा पूर्व में अनुरोध किया गया है।

अतः श्रीमान् से विनम्र अनुरोध है कि उपर्युक्त वर्णित निन्दुओं का निराकरण हेतु संबंधित प्रभाग को निदेश देने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन

ह0/–

(डा0 विनोद कुमार मुक्ता)

प्रधान महासचिव

ज्ञापांक ....65......./ बिप0चि0संघ पटना, दिनांक......17.....जुलाई, 2020

प्रतिलिपि ः– मुख्य सचिव, बिहार / सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना / अपर सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना / निदेशक, पशुपालन, बिहार, पटना को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु समर्पित।

(डा0 विनोद कुमार मुक्ता)

प्रधान महासचिव